Chapter-8

संसार सागरस्य नायका:

STUDY NOTES

MIND MAP

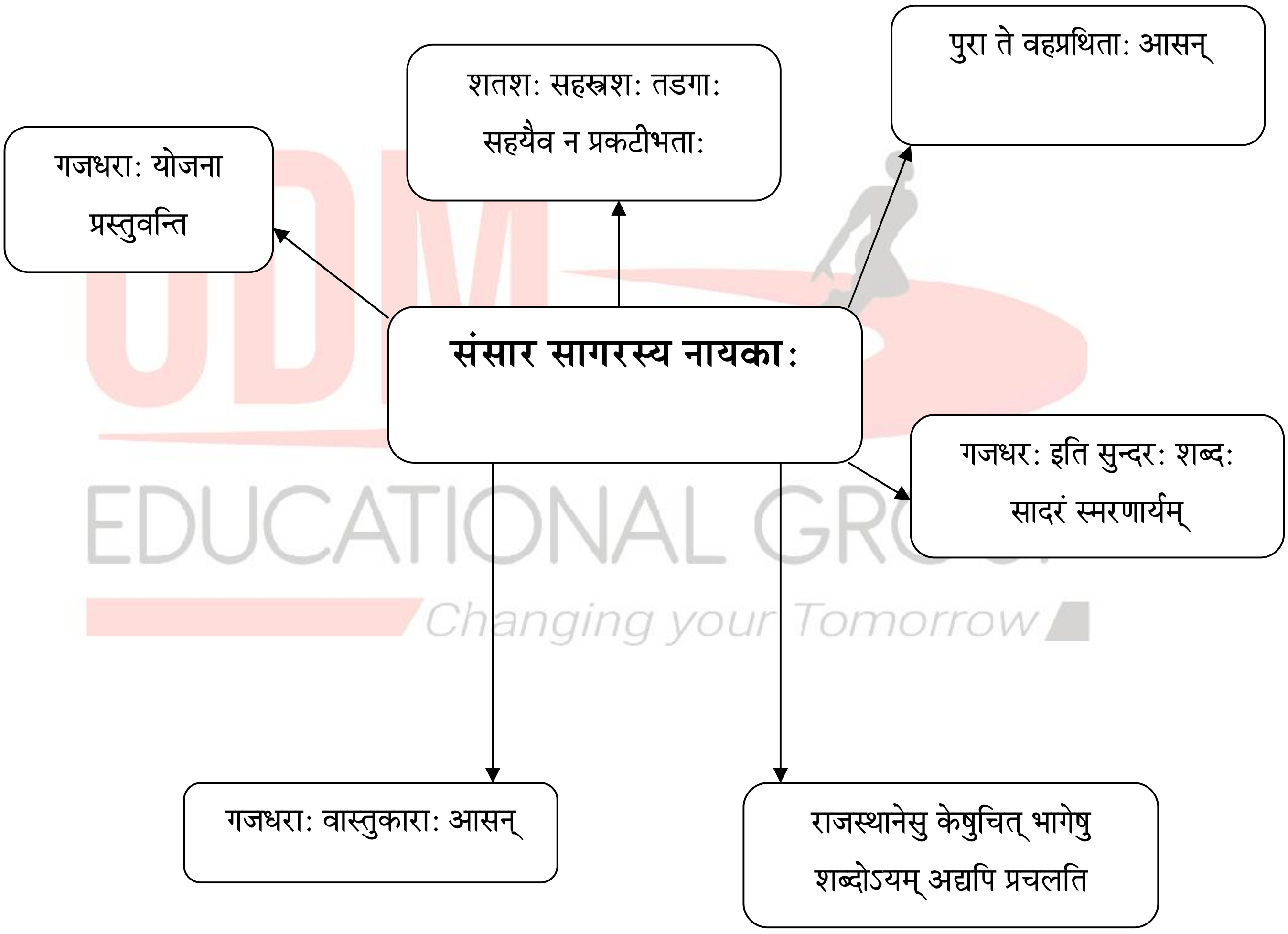

अनुपम मिश्र-जल संरक्षण के पारंपरिक ज्ञान को समाज के सामने लाने का श्रेय जिन लोगों को है श्री अनुपम मिश्र (जन्म 1948) उनमें अग्रगण्य हैं। 'आज भी खरे हैं तालाब' और 'राजस्थान की रजत बूँदें' पानी पर उनकी बहुप्रशंसित पुस्तकें हैं।

अगर हम ध्यान से देखें तो हमारे चारों तरफ ज्ञान एवं कौशल के विविध रूप दिखाई देते हैं। इसमें कुछ ज्ञान और कौशल फलते-फूलते हैं और कई निरंतर क्षीण होते हैं।

इसके कई उदाहरण हमारे सामने हैं। पानी का व्यवस्थापन संरक्षण और खेती-बाड़ी का पारंपरिक तौर-तरीका, शिल्प तथा कारीगरी का ज्ञान दुर्लभ और विलुप्त होने के कगार पर है। वहीं अभियान्त्रिकी एवं संचार से संबंधित ज्ञान नए उभार पर हैं। दरअसल किस तरह का ज्ञान और कौशल आगे विकसित और प्रगुणित होगा और किस तरह का ज्ञान एवं कौशल पिछड़ेगा, विलुप्त होने के लिए विवश होगा यह इस बात पर निर्भर करता है कि देश और समाज किस तरह के ज्ञान एवं कौशल के विकास में अपना भविष्य सुरक्षित एवं सुखमय मानता है।

EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow